ऑयल इंडिया
OIL INDIA

HEALTH, SAFETY AND ENVIRONMENT

HSE POLICY

Oil India Limited accords highest commitment to Health, Safety and Environment (HSE) across its operations and value chain.

We endeavor for continual improvement towards health and safety of all our stakeholders, not limited to all employees, contractual workers, customers, business partners & suppliers, and the communities in which we operate.

This HSE policy guides OIL's management approach towards HSE issues at a holistic level and applies to all our operations and managed sites, including corporate offices, research facilities, wholly owned subsidiaries, etc., as well as to stakeholders such as employees & contractual workers and/or individuals under the company's supervision.

OIL IS COMMITTED TO

1. Demonstrating proactive leadership by establishing a robust organizational structure, defining clear roles, responsibilities, and accountabilities, and providing visible commitment, direction, and resources to meet our HSE targets.
2. Complying with all applicable legal and other requirements related to HSE.
3. Establishing, integrating, and implementing risk management into every facet of our operations by identifying, assessing, controlling, monitoring, and mitigating risks associated with HSE through effective control measures and strategic planning.
4. Promoting a positive HSE culture reflected by shared values, attitudes, and behaviors, nurtured through the fostering of effective communication & consultation with, and participation of employees and other stakeholders, including employees and contractual workers, for creating a safe and productive work environment.
5. Building our workforce HSE competence by providing comprehensive trainings and regular HSE awareness programs for employees, contractual employees, or any individual under OIL's supervision.
6. Empowering our people, including all employees and contractual workers, to take responsibility for their own health and safety and that of their colleagues by demonstrating zero-tolerance for unsafe acts, conditions, and behaviors.
7. Adopting latest technologies by developing & implementing state-of-the-art facilities with digitized workflows, including conducting asset integrity monitoring of equipment and infrastructure to ensure overall of HSE objectives in operations are achieved.
8. Driving HSE management systems' continual improvement through periodic internal & third-party evaluations and promptly addressing deficiencies to achieve HSE excellence.
9. Integrating HSE performance metric(s) in the overall performance evaluation of all employees, business units, contractors, and business associates; and establishing quantitative targets for improving OHS performance metrics.
10. Remaining alert, equipped, and ready to respond to emergencies through effective and up-to-date emergency response plan.
11. Proactively integrating new and emerging HSE risks in our planning, operations and decision-making.

PROCESS: OIL STRIVES TO ACHIEVE THESE COMMITMENTS BY

i. Implementing a comprehensive HSE management system for all operations, processes and projects. (Sl.No.1)

ii. Collaborating with stakeholders in initiatives to promote minimizing the negative effect of the company's operations on environment and foster a shared commitment to a sustainable and greener operations. (Sl.No.1)

iii. Integrating and adopting all legal requirements into organizational processes, work plans, routine activities, and developing safe operating practices and remaining abreast of the latest developments in HSE management. (Sl.No.2)

iv. Aligning with international standards such as ISO 45001 or ISO 14001 or equivalent and incorporating world class HSE practices through voluntary programs and/or collective agreements on HSE. (Sl. No.2).

v. Implementing a proactive Hazard Identification and Risk Assessment program, coupled with an effective mitigation plan to minimize the severity of identified HSE risks to As Low as Reasonably Practicable (ALARP) levels. (Sl.No.3)

vi. Developing, implementing, and monitoring programs for occupational health management, holistic well-being of employees, and various aspects of environment management. (Sl.No.4)

vii. Implementing process and operational changes through a well-defined system and disseminating information through digitized systems and interactive sessions (Sl.No.4)

viii. Allocating resources and ensuring the availability of necessary equipment including, but not limited to monitoring devices, Personal Protective Equipment (PPE) and technologies for supporting compliance, safety monitoring, and environmental stewardship. (Sl.No.4)

ix. Promptly investigating incidents, implementing recommendations, and disseminating valuable learnings throughout the organization. (Sl.No.5)

x. Recognizing real-time HSE training needs aligned with operational competence requirements and creating knowledge sharing platform for spreading awareness. (Sl.No.5)

xi. Empowering employees and contract workers with the authority to stop work if they identify actual or potential unsafe behavior and/or conditions that could lead to an undesirable event. (Sl.No.6)

xii. Integrating technology such as AI, IoT, and digitization of processes for fostering improved efficiency, real-time monitoring, and enhanced decision-making capabilities in HSE management (Sl.No. 7)

xiii. Conducting Periodic management reviews and comprehensive audits, to ensure strict compliance with statutory guidelines and best industry practices. (Sl.No.8)

xiv. Identifying, establishing, and monitoring leading and lagging indicators and time bound targets to evaluate the HSE performance of all stakeholders. (Sl.No.9)

xv. Developing a community-focused emergency response plan(s) in alignment with national and state-specific requirements and collaborating with peers , to ensure swift and effective response. (Sl.No.10)

xvi. Creating a framework for continuous monitoring and integration of HSE risks material to OIL's business, as identified from time to time, through formulation of dedicated policies referenced to HSE policy. (Sl.No.11)

Ranjit Rath
Dr. Ranjit Rath
Chairman & Managing Director

Effective Date:- 18/12/2024

ऑयल इंडिया
OIL INDIA

स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण

एचएसई नीति

ऑयल इंडिया लिमिटेड अपने सभी परिचालनों और मूल्य श्रृंखला में स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण (एचएसई) के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

हमारा लक्ष्य अपने सभी हितधारकों, जिनमें कर्मचारी, ठेका श्रमिक, ग्राहक, व्यावसायिक साझेदार, आपूर्तिकर्ता और वे समुदाय शामिल हैं, जहाँ हम काम करते हैं, के स्वास्थ्य और सुरक्षा को सुनिश्चित करने में निरंतर सुधार करना है।

यह एचएसई नीति समग्र स्तर पर एचएसई मुद्दों के प्रति ओआईएल के प्रबंधन दृष्टिकोण का मार्गदर्शन करती है और यह हमारे सभी परिचालनों और प्रबंधित साइटों पर लागू होती है, जिसमें कॉर्पोरेट कार्यालय, अनुसंधान सुविधाएं, पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनियां आदि शामिल हैं। इसके अलावा, यह कर्मचारियों और ठेका श्रमिकों और/या कंपनी की देखरेख में काम करने वाले व्यक्तियों जैसे हितधारकों पर भी लागू होती है।

ओआईएल निम्नलिखित के लिए प्रतिबद्ध है

1. एक मजबूत संगठनात्मक संरचना स्थापित करके, स्पष्ट भूमिकाओं, जिम्मेदारियों और उत्तरदायित्वों को परिभाषित करके, और हमारे एचएसई लक्ष्यों को पूरा करने के लिए स्पष्ट प्रतिबद्धता, दिशा और संसाधन प्रदान करके सक्रिय नेतृत्व का प्रदर्शन करना।
2. एचएसई से संबंधित सभी लागू कानूनी और अन्य आवश्यकताओं का अनुपालन करना।
3. प्रभावी नियंत्रण उपायों और रणनीतिक योजना के माध्यम से एचएसई से जुड़े जोखिमों की पहचान, आकलन, नियंत्रण, निगरानी और उपशमन करके हमारे परिचालन के हर पहलू में जोखिम प्रबंधन की स्थापना, एकीकरण और कार्यान्वयन करना।
4. साझा मूल्यों, दृष्टिकोणों और व्यवहारों द्वारा प्रतिबिंबित एक सकारात्मक एचएसई संस्कृति को बढ़ावा देना, एक सुरक्षित और उत्पादक कार्य वातावरण बनाने के लिए कर्मचारियों और ठेका श्रमिकों सहित अन्य हितधारकों के साथ प्रभावी संचार और परामर्श को बढ़ावा देना और उनकी भागीदारी के माध्यम से पोषित करना।
5. हम अपने कर्मचारियों, ठेका कर्मियों या ओआईएल की निगरानी में काम करने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए गहन प्रशिक्षण और नियमित एचएसई जागरूकता कार्यक्रम प्रदान करके अपने कर्मचारियों के एचएसई कौशल का निर्माण करते हैं।
6. हम कर्मचारियों और ठेका कर्मियों सहित सभी को असुरक्षित कार्यों, स्थितियों या व्यवहारों से कोई समझौता किए बिना अपने और अपने सहकर्मियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा की जिम्मेदारी लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।
7. हम डिजिटल वर्कफ्लो के साथ उन्नत सुविधाएँ बनाकर और उनका उपयोग करके नवीनतम तकनीकों का उपयोग करते हैं। इसमें यह सुनिश्चित करने के लिए उपकरणों और बुनियादी ढाँचे की स्थिति की निगरानी करना शामिल है ताकि हमारे प्रचालन में हमारे एचएसई लक्ष्य प्राप्त हों।
8. हम आंतरिक और तीसरे पक्ष के मूल्यांकन के माध्यम से नियमित रूप से अपने एचएसई प्रबंधन प्रणालियों में सुधार करते हैं, एचएसई उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए किसी भी मुद्दे का तुरंत समाधान करते हैं।
9. सभी कर्मचारियों, व्यावसायिक इकाइयों, ठेकेदारों और व्यावसायिक सहयोगियों के समग्र प्रदर्शन मूल्यांकन में एचएसई प्रदर्शन मीट्रिक को शामिल करते हैं; और ओएचएस प्रदर्शन मीट्रिक में सुधार के लिए मात्रात्मक लक्ष्य स्थापित करते हैं।
10. हम एक प्रभावी और अद्यतित आपातकालीन प्रतिक्रिया योजना के साथ आपात स्थितियों से निपटने के लिए सतर्क और तैयार रहते हैं।
11. हम अपनी योजना, प्रचालन और निर्णय लेने में नए और उभरते एचएसई जोखिमों पर सक्रिय रूप से विचार करते हैं।

प्रक्रिया: ओआईएल निम्नलिखित प्रतिबद्धताओं को प्राप्त करने का प्रयास करता है

i. प्रक्रियाओं और परियोजनाओं के लिए एक व्यापक एचएसई प्रबंधन प्रणाली लागू करना। (क्र.सं.1)

ii. कंपनी के परिचालनों से पर्यावरण पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव को न्यूनतम करने के लिए पहलों में हितधारकों के साथ सहयोग करना तथा स्थायी और हरित परिचालनों के लिए साझा प्रतिबद्धता को बढ़ावा देना। (क्र.सं.1)

iii. संगठनात्मक प्रक्रियाओं, कार्य योजनाओं, नियमित गतिविधियों में सभी कानूनी आवश्यकताओं को शामिल करना और अपनाना, तथा सुरक्षित परिचालन प्रथाओं का विकास करना और एचएसई प्रबंधन में नवीनतम विकास की जानकारी रखना। (क्र.सं.2)

iv. आईएसओ 45001 या आईएसओ 14001 या समकक्ष जैसे अंतर्राष्ट्रीय मानकों का पालन करना और स्वैच्छिक कार्यक्रमों और/या एचएसई पर सामूहिक समझौतों के माध्यम से विश्व स्तरीय एचएसई प्रथाओं को शामिल करना। (क्र.सं. 2)।

v. सक्रिय जोखिम पहचान एवं जोखिम मूल्यांकन कार्यक्रम को लागू करना, साथ ही पहचाने गए एचएसई जोखिमों की गंभीरता को यथासंभव न्यूनतम (एएलएआरपी) स्तर पर लाने के लिए एक प्रभावी उपशमन योजना बनाना। (क्र.सं. 3)

vi. व्यावसायिक स्वास्थ्य प्रबंधन, कर्मचारियों के समग्र कल्याण और पर्यावरण प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं के लिए कार्यक्रमों का विकास, कार्यान्वयन और निगरानी करना। (क्र.सं. 4)

vii. एक सुपरिभाषित प्रणाली के माध्यम से प्रक्रिया और परिचालन परिवर्तनों को क्रियान्वित करना तथा डिजिटल प्रणालियों और परस्पर-चर्चा सत्रों के माध्यम से सूचना का प्रसार करना (क्र.सं. 4)

viii. संसाधनों का आवंटन और आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करना, जिसमें निगरानी उपकरण, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) तथा अनुपालन, सुरक्षा निगरानी और पर्यावरण संरक्षण के लिए समर्थन प्रौद्योगिकियां शामिल हैं, लेकिन ये इन्हीं तक सीमित नहीं हैं। (क्र.सं. 4)

ix. घटनाओं की तुरंत जांच करना, सिफारिशों को लागू करना, तथा पूरे संगठन में मूल्यवान सीखे गए सबक का प्रसार करना। (क्र.सं. 5)

x. परिचालन आवश्यकताओं के आधार पर वास्तविक समय एचएसई प्रशिक्षण आवश्यकताओं की पहचान करना और ज्ञान साझा करने और जागरूकता बढ़ाने के लिए एक मंच बनाना। (क्र.सं. 5)

xi. कर्मचारियों और ठेका कर्मियों को असुरक्षित व्यवहार या ऐसी स्थितियाँ देखने पर काम बंद करने का अधिकार देना, जिनसे दुर्घटना हो सकती है। (क्र.सं. 6)

xii. एचएसई प्रबंधन में बेहतर दक्षता, वास्तविक समय की निगरानी और उन्नत निर्णय लेने की क्षमताओं को बढ़ावा देने के लिए एआई, आईओटी और प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण जैसी प्रौद्योगिकी को एकीकृत करना (क्र.सं. 7)

xiii. प्रथाओं का सख्त अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए आवधिक प्रबंधन समीक्षा और व्यापक लेखा-परीक्षा आयोजित करना। (क्र.सं. 8)

xiv. सभी हितधारकों के एचएसई प्रदर्शन को मापने के लिए प्रमुख संकेतक और समय-आधारित लक्ष्य निर्धारित करना और उन पर नज़र रखना। (क्र.सं. 9)

xv. राष्ट्रीय और राज्य-विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार समुदाय-केंद्रित आपातकालीन प्रतिक्रिया योजनाएं बनाना और त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए साथियों के साथ काम करना। (क्र.सं. 10)

xvi. एचएसई नीति से जुड़ी विशिष्ट नीतियां बनाकर ऑयल इंडिया के व्यवसाय से संबंधित एचएसई जोखिमों की नियमित निगरानी और समाधान के लिए एक ढांचा तैयार करना। (क्र.सं. 11)

रंजीत रथ
डॉ. रंजीत रथ
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

प्रभावी तिथि:- 18/12/2024

ऑयल इंडिया
OIL INDIA

স্বাস্থ্য, সুৰক্ষা আৰু পৰিৱেশ

(এইচ এছ ই) নীতি

অইল ইণ্ডিয়া লিমিটেডে ইয়াৰ সঞ্চালন কাৰ্য্য আৰু মূল্য শৃংখলত স্বাস্থ্য, সুৰক্ষা আৰু পৰিৱেশৰ প্ৰতি সৰ্বোচ্চ গুৰুত্ব প্ৰদান কৰি আহিছে।

আমি আমাৰ কৰ্মচাৰী, ঠিকাভিত্তিক কৰ্মচাৰী, গ্ৰাহক, ব্যৱসায়িক সহযোগী আৰু যোগানকৰ্তাকে ধৰি আমাৰ সঞ্চালন ক্ষেত্ৰৰ সকলো লোকক সামৰি অংশীদাৰসকলৰ স্বাস্থ্য আৰু সুৰক্ষাৰ নিৰন্তৰ উন্নতিৰ বাবে কাম কৰি আহিছোঁ।

এই এইচ এছ ই(HSE) নীতিয়ে স্বাস্থ্য, সুৰক্ষা আৰু পৰিৱেশৰ সৈতে জড়িত দিশসমূহৰ প্ৰতি অইল মেনেজমেন্টৰ দৃষ্টিভংগিক সামগ্ৰিক স্তৰত পথপ্ৰদৰ্শন কৰে আৰু এই নীতি আমাৰ সকলো সঞ্চালন কাৰ্য্য আৰু কৰ্পৰেট কাৰ্য্যালয়, গৱেষণা ক্ষেত্ৰ, সম্পূৰ্ণৰূপে অধিকাৰিতা থকা উদ্যোগ আদিকে ধৰি প্ৰবৰ্দ্ধিত ক্ষেত্ৰসমূহৰ লগতে কৰ্মচাৰী আৰু ঠিকাভিত্তিক কৰ্মচাৰী অথবা কোম্পানীৰ তত্বাৱধানত থকা ব্যক্তি আদি অংশীদাৰসকলৰ ক্ষেত্ৰত প্ৰযোজ্য হয়।

তলত উল্লেখিত দিশসমূহৰ প্ৰতি অইল অংগীকাৰবদ্ধ

১) সক্ৰিয় নেতৃত্ব প্ৰদৰ্শন কৰি এক শক্তিশালী সাংগঠনিক গাঁথনি স্থাপন কৰা; স্পষ্ট ভূমিকা, দায়িত্ব, জবাবদিহিতা নিৰ্ধাৰণ কৰা আৰু এইচ এছ ই লক্ষ্যসমূহত উপণীত হ'বলৈ আমাৰ স্পষ্ট প্ৰতিশ্ৰুতি, দিশ আৰু সম্পদ প্ৰদান কৰা।

২) স্বাস্থ্য, সুৰক্ষা আৰু পৰিৱেশ সম্বন্ধীয় সকলো প্ৰযোজ্য আৰু বিধিগত নীতি-নিৰ্দেশনা পালন কৰা।

৩) আমাৰ সঞ্চালন কাৰ্য্যৰ সকলোতে সংকট ব্যৱস্থাপনা স্থাপন, সন্নিৱিষ্ট আৰু ৰূপায়ণ কৰা য'ত ফলপ্ৰসূ নিয়ন্ত্ৰণ ব্যৱস্থা আৰু কৌশলগত পৰিকল্পনা ৰূপায়ণৰ জৰিয়তে স্বাস্থ্য, সুৰক্ষা আৰু পৰিৱেশ (এইচএছই)ৰ সৈতে জড়িত বিপদসমূহ চিনাক্ত, মূল্যায়ন, নিয়ন্ত্ৰণ, তদাৰক আৰু হ্ৰাস কৰা হয়।

৪) এক সুবিধিত আৰু উৎপাদনশীল কৰ্ম পৰিৱেশ গঢ়ি তুলিবলৈ এক ইতিবাচক এইচ এছ ই সংস্কৃতি গঢ়ি তোলা য'ত উমৈহতীয়া মূল্য, মনোভাৱ আৰু ব্যৱহাৰ প্ৰতিফলিত হয়, কাৰ্য্যকৰী যোগাযোগ আৰু আলোচনাৰ মাধ্যমক উৎসাহিত কৰা হয় আৰু য'ত কৰ্মচাৰী আৰু অন্যান্য অংশীদাৰ যেনে—কৰ্মচাৰী, ঠিকাভিত্তিক কৰ্মচাৰীৰ অংশগ্ৰহণ থাকে।

৫) কৰ্মচাৰী আৰু ঠিকাভিত্তিক কৰ্মচাৰী অথবা কোম্পানীৰ তত্বাৱধানত থকা অন্যান্য ব্যক্তিসকলৰ বাবে বহুমুখী প্ৰশিক্ষণ আৰু নিয়মীয়া সজাগতামূলক কাৰ্য্যসূচী ৰূপায়ণৰ জৰিয়তে আমাৰ কৰ্মশক্তিৰ এইচ এছ ই সক্ষমতা গঢ়ি তোলা।

৬) অসুৰক্ষিত কাৰ্য্য, পৰিস্থিতি আৰু আচৰণৰ প্ৰতি শূণ্য সহনশীলতা প্ৰদৰ্শন কৰি নিজৰ লগতে সহকৰ্মীসকলৰ স্বাস্থ্য আৰু সুৰক্ষাৰ দায়িত্ব ল'ব পৰাকৈ কৰ্মচাৰী, ঠিকাভিত্তিক কৰ্মচাৰীকে ধৰি আমাৰ সকলো লোককে সবল কৰি তোলা।

৭) সঞ্চালন কাৰ্য্যসমূহত সামগ্ৰিকভাৱে এইচ এছ ই লক্ষ্য প্ৰাপ্তি নিশ্চিত কৰিবলৈ ডিজিটেলকৃত কৰ্মধাৰাৰ লগতে অত্যাধুনিক সুবিধাসমূহ গ্ৰহণ আৰু ৰূপায়ণৰ জৰিয়তে শেহতীয়া প্ৰযুক্তি আকোৱালি লোৱা আৰু লগতে সৰঞ্জাম আৰু আন্তঃগাঁথনিৰ বাবে সম্পদ অখণ্ডতাৰ তদাৰক অন্তৰ্ভুক্ত কৰা।

৮) নিয়মীয়া আভ্যন্তৰীণ আৰু তৃতীয় পক্ষৰ মূল্যায়নৰ জৰিয়তে এইচ এছ ই ব্যৱস্থাপনা প্ৰণালীৰ নিৰন্তৰ উন্নতি সাধন কৰা আৰু এইচ এছ ই উৎকৃষ্টতা অৰ্জনৰ বাবে অাঁসোৱাহসমূহ ক্ষিপ্ৰতাৰে সংশোধন কৰা।

৯) কৰ্মচাৰী, ব্যৱসায়িক গোট, ঠিকাদাৰ আৰু ব্যৱসায়িক সহযোগীসকলৰ সামগ্ৰিক পৰিৱেশন মূল্যায়নত এইচ এছ ই-ৰ পৰিৱেশনক এক মানক হিচাপে সন্নিৱিষ্ট কৰা; আৰু অ' এইচ এছ (OHS) পৰিৱেশনৰ মান বৃদ্ধিৰ বাবে পৰিমাণগত লক্ষ্য নিৰ্ধাৰণ কৰি দিয়া।

১০) ফলপ্ৰসূ আৰু নবীকৃত জৰুৰীকালীন সঁহাৰি পৰিকল্পনাৰ জৰিয়তে জৰুৰীকালীন অৱস্থাৰ প্ৰতি সঁহাৰি জনাবলৈ সজাগ, সজ্জিত আৰু সাজু কৰি তোলা।

১১) আমাৰ পৰিকল্পনা, সঞ্চালন কাৰ্য্য আৰু সিদ্ধান্ত গ্ৰহণৰ ক্ষেত্ৰত নতুন আৰু সমুখলৈ অহা প্ৰত্যাহ্বানসমূহক সক্ৰিয়তাৰে সংহত কৰা।

এই অংগীকাৰসমূহত উপণীত হ'বলৈ অইলে লোৱা পদক্ষেপসমূহ

i. সকলো কাৰ্য্যকলাপ, প্ৰক্ৰিয়া আৰু প্ৰকল্পৰ বাবে এক বিস্তৃত এইচ এছ ই ব্যৱস্থাপনা প্ৰণালী ৰূপায়ণ কৰা। (ক্ৰ.নং১)

ii. কোম্পানীৰ সঞ্চালন কাৰ্য্যৰ দ্বাৰা পৰিৱেশৰ ওপৰত পৰা নেতিবাচক প্ৰভাৱ হ্ৰাস কৰাৰ অৰ্থে আৰু এক বহনক্ষম আৰু পৰিৱেশ অনুকূল সঞ্চালন কাৰ্য্যৰ প্ৰতি উমৈহতীয়া দায়বদ্ধতাক উৎসাহিত কৰাৰ উদ্দেশ্যে লোৱা পদক্ষেপসমূহত অংশীদাৰসকলৰ সৈতে সহযোগিতা কৰা। (ক্ৰ.নং১)

iii. সাংগঠনিক প্ৰক্ৰিয়া, কৰ্ম পৰিকল্পনা, নিয়মীয়া কাৰ্য্যকলাপত সকলো আইনী প্ৰয়োজনীয়তাক একত্ৰিত আৰু পৰিগ্ৰহণ কৰা, নিৰাপদ সঞ্চালন পদ্ধতি বিকশিত কৰা আৰু এইচ এছ ই পৰিচালনাৰ শেহতীয়া উন্নয়নৰ সৈতে সংগতি ৰক্ষা কৰা। (ক্ৰ.নং২)

iv. আন্তঃৰাষ্ট্ৰীয় মানক যেনে - ISO 45001 বা ISO 14001 বা সমপৰ্যায়ৰ মানকৰ সৈতে সমৰেখাত থকা আৰু এইচ এছ ইৰ ওপৰত স্বেচ্ছামূলক কাৰ্য্যসূচী আৰু/অথবা সমূহীয়া চুক্তিৰ জৰিয়তে বিশ্বস্তৰীয় এইচ এছ ই পদ্ধতিসমূহ সন্নিৱিষ্ট কৰা। (ক্ৰ.নং২)

v. চিনাক্ত কৰা বিপদসমূহৰ গভীৰতাক যথাসম্ভৱ নূন্যতম সম্ভৱপৰ (এ এল এ আৰ পি) স্তৰলৈ হ্ৰাস কৰিবলৈ এক ফলপ্ৰসূ প্ৰশমন পৰিকল্পনাৰ সৈতে বিপদ চিনাক্তকৰণ আৰু বিপদ মূল্যায়নৰ এক সক্ৰিয় কাৰ্যসূচী ৰূপায়ণ কৰা। (ক্ৰ.নং৩)

vi. বৃত্তিগত স্বাস্থ্যৰ বাবে, কৰ্মচাৰীসকলৰ সামগ্ৰিক কল্যাণৰ বাবে আৰু পৰিৱেশ ব্যৱস্থাপনাৰ বিভিন্ন দিশৰ বাবে কাৰ্যসূচী প্ৰস্তুত কৰা, ৰূপায়ণ কৰা আৰু নিৰীক্ষণ কৰা। (ক্ৰ.নং৪)

vii. এক সুনিৰ্দিষ্ট ব্যৱস্থাৰ জৰিয়তে প্ৰক্ৰিয়া আৰু অপাৰেচনেল পৰিৱৰ্তনসমূহ কাৰ্য্যকৰী কৰা আৰু ডিজিটেলকৃত ব্যৱস্থা আৰু পাৰস্পৰিক বৈঠকৰ জৰিয়তে তথ্য প্ৰচাৰ কৰা। (ক্ৰ.নং৪)

viii. সম্পদ আৱণ্টন আৰু প্ৰয়োজনীয় সঁজুলি যেনে, মনিটৰিং ডিভাইচেছ, ব্যক্তিগত সুৰক্ষা সঁজুলি (পিপিই) আৰু লগতে অনুপালন, নিৰাপদ নিৰীক্ষণ আৰু পৰিৱেশ সম্বন্ধীয় তত্বাৱধানৰ বাবে সহায়ক প্ৰযুক্তি আদিৰ উপলব্ধতা নিশ্চিত কৰা। (ক্ৰ.নং৪)

ix. পৰিঘটনাসমূহ তৎকালীনভাৱে তদন্ত কৰা, পৰামৰ্শসমূহ কাৰ্য্যকৰী কৰা আৰু প্ৰতিষ্ঠানটোৰ সামগ্ৰিক মূল্যৱান জ্ঞানসমূহ প্ৰচাৰ কৰা। (ক্ৰ.নং৫)

x. কাৰ্য্যকৰী দক্ষতাৰ প্ৰয়োজনীয়তাসমূহৰ সৈতে সংগতি ৰাখি বাস্তৱিক সময়ৰ এইচ এছ ই প্ৰশিক্ষণৰ প্ৰয়োজনীয়তাসমূহ চিনাক্ত কৰা তথা সজাগতা প্ৰচাৰৰ বাবে জ্ঞান বিনিময়ৰ মঞ্চ সৃষ্টি কৰা। (ক্ৰ.নং৫)

xi. কোনো ধৰণৰ অবাঞ্ছিত দুৰ্ঘটনা সংঘটিত কৰিব পৰা সম্ভাব্য অসুৰক্ষিত কাৰ্য্য, অৱস্থা বা আচৰণ চিনাক্ত কৰি তেনে কাম বন্ধ কৰিব পৰাকৈ কৰ্মচাৰী আৰু ঠিকা শ্ৰমিক উভয়কে সবল কৰি তোলা। (ক্ৰ.নং৬)

xii. এইচ এছ ই ব্যৱস্থাপনাত উন্নত দক্ষতা, বাস্তৱ সময়ৰ নিৰীক্ষণ আৰু সিদ্ধান্ত গ্ৰহণ ক্ষমতাৰ বিকাশক উৎসাহিত কৰিবৰ বাবে এআই, আইঅটিৰ দৰে প্ৰযুক্তি সন্নিৱিষ্ট কৰা আৰু প্ৰক্ৰিয়াসমূহ ডিজিটেলকৃত কৰা। (ক্ৰ.নং৭)

xiii. বিধিগত নিৰ্দেশনা আৰু উদ্যোগৰ উত্তম পদ্ধতিসমূহৰ কঠোৰ অনুপালন নিশ্চিত কৰিবলৈ সময়ে সময়ে প্ৰবন্ধন সমীক্ষা আৰু বিস্তৃত অডিট চলোৱা। (ক্ৰ.নং৮)

xiv. সকলো অংশীদাৰৰে এইচ এছ ই পৰিৱেশন মূল্যায়ন কৰিবলৈ অগ্ৰণী আৰু অতীতৰ (লিডিং এণ্ড লেগিং) সূচকসমূহ আৰু সময় নিৰ্ধাৰিত লক্ষ্যসমূহ চিনাক্ত, প্ৰতিপন্ন আৰু নিৰীক্ষণ কৰা। (ক্ৰ.নং৯)

xv. ৰাষ্ট্ৰীয় আৰু ৰাজ্যিক অপবিহাৰ্য্যতাৰ সৈতে সংগতি ৰাখি এক সামুদায়িক জৰুৰীকালীন সঁহাৰি পৰিকল্পনা প্ৰস্তুত কৰা। দ্ৰুত আৰু ফলপ্ৰসূ সঁহাৰি নিশ্চিত কৰিবলৈ সতীৰ্থ উদ্যোগসমূহৰ সৈতে সহযোগিতা স্থাপন কৰা। (ক্ৰ.নং১০)

xvi. অইলৰ ব্যৱসায়ৰ বাবে গুৰুত্বপূৰ্ণ এইচ এছ ই প্ৰত্যাহ্বানসমূহৰ নিৰন্তৰ নিৰীক্ষণ আৰু একত্ৰীকৰণৰ বাবে এক আৰ্হি প্ৰস্তুত কৰা, যিসমূহ এইচ এছ ই নীতি সম্বন্ধীয় বিশিষ্ট নীতিসমূহৰ গঠনৰ জৰিয়তে সময়ে সময়ে চিনাক্ত কৰা হয়। (ক্ৰ.নং১১)

ৰঞ্জিত ৰথ
ড০ ৰঞ্জিত ৰথ
অধ্যক্ষ আৰু পৰিচালন সঞ্চালক

কাৰ্যকৰী হোৱাৰ তাৰিখ:- ১৮/১২/২০২৪